Toppersnotes
Unleash the topper in you

RJS

Rajasthan Judicial Services

CIVIL JUDGE CADRE

Rajasthan High Court (HCRAJ)

Law Paper - 4

Hindi & English

SIERRA INNOVATIONS

RJS – LAW PAPER 4 (HINDI & ENGLISH)

हिन्दी

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	संधि	1
2.	समास	7
3.	उपसर्ग	11
4.	प्रत्यय	14
5.	तत्सम – तद्भव	18
6.	विदेशी एवं देशज शब्द	20
7.	संज्ञा	23
8.	सर्वनाम	25
9.	विशेषण	27
10.	क्रिया	30
11.	अव्यय	32
12.	लिंग	35
13.	वचन	40
14.	काल	45
15.	वृत्ति	47
16.	पक्ष	49
17.	वाच्य	51
18.	वाक्य	54
19.	वाक्य – शुद्धि	58
20.	शुद्ध वाक्य	61
21.	विराम चिह्न और उनके प्रयोग	68
22.	पर्यायवाची	72
23.	विलोम – शब्द	82
24.	शब्द युग्म	89
25.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	99
26.	मुहावरे	104
27.	लोकोक्ति	116
28.	पारिभाषिक शब्दावली	132

ENGLISH

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	Articles & Determiners	135
2.	Conjunction	143
3.	Modals	149
4.	Tense	155
5.	Voice	165
6.	Direct & Indirect Speech	174
7.	Phrasal Verb	184
8.	Synonyms and Antonyms	194
9.	Idiom & Phrases	208

मुहावरे

ऐसे वाक्यांश, जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ का बोध कराये, मुहावरा कहलाता है ।

- अक्ल पर पत्थर पडना (बुद्धि भष्ट होना)- विद्वान और वीर होकर भी रावण की अक्ल पर पत्थर ही पड गया था कि उसने राम की पत्नी का अपहरण किया ।
- अंक भरना (स्नेह से लिपटा लेना)- माँ ने देखते ही बेटी को अंक भर लिया ।
- अंग टूटना (थकान का दर्द)- इतना काम करना पडा कि आज अंग टूट रहे हैं ।
- अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना (स्वयं अपनी प्रशंसा करना)- अच्छे आदमियों को अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना शोभा नहीं देता ।
- अक्ल का चरने जाना (समझ का अभाव होना)- इतना भी समझ नहीं सके, क्या अक्ल चरने गई है ?
- अपने पैरों पर खडा होना (स्वावलंबी होना)- युवकों को अपने पैरों पर खडे होने पर ही विवाह करना चाहिए ।
- अपना उल्लू सीधा करना (मतलब निकालना)- आजकल के नेता अपना उल्लू सीधा करने के लिए ही लोगों को भडकाते हैं ।
- अंगारों पर लेटना (डाह होना, दुःख सहना)- वह उसकी तरक्की देखते ही अंगारों पर लोटने लगा । मैं जीवन भर अंगारों पर लोटता रहा हूँ ।
- अँगूठा दिखाना (समय पर धोखा देना)- अपना काम तो निकाल लिया, पर जब मुझे जरूरत पडी, तब अँगूठा दिखा दिया । भला, यह भी कोई मित्र का लक्षण है ।
- अन्धाधुन्ध लुटाना (बिना विचारे व्यय)- अपनी कमाई भी कोई अन्धाधुन्ध लुटाता है ?
- अन्धा होना (विवेकभ्रष्ट होना)- अन्धे हो गये हो क्या, जवान बेटे के सामने यह क्या जो-सो बके जा रहे हो ?
- अन्न-जल उठना (रहने का संयोग न होना, मरना)- मालूम होता है कि तुम्हारा यहाँ से अन्न-जल उठ गया है, जो सबसे बिगाड किये रहते हो ।
- अपना-सा मुँह लेकर रह जाना (शर्मिन्दा होना)- आज मैंने ऐसी चुभती बात कही कि वे अपना-सा मुँह लिए रह गये ।
- अपनी खिचडी अलग पकाना (स्वार्थी होना, अलग रहना)- यदि सभी अपनी खिचडी अलग पकाने लगें, तो देश और समाज की उन्नति होने से रही ।
- अपने पाँव आप कुल्हाडी मारना (संकट मोल लेना)- उससे तकरार कर तुमने अपने पाँव आप कुल्हाडी मारी है ।
- अंगारे उगलना (कठोर और कडवी बातें कहना)- मित्र! अवश्य कोई बात होगी, बिना बात कोई क्यों अंगारे उगलेगा ।

- अंगारों पर लोटना (ईर्ष्या से व्याकुल होना)- मेरे सुख को देखकर रामू अंगारों पर लोटता है ।
- अँगुली उठाना (किसी के चरित्र या ईमानदारी पर संदेह व्यक्त करना)- मित्र! हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे कोई हम पर अँगुली उठाए ।
- अंतड़ियों के बल खोलना (बहुत दिनों के बाद भरपेट भोजन करना)- आज पंडित जी का न्योता है, आज वे अपनी अंतड़ियों के बल खोल देंगे ।
- अंतिम घड़ी आना (मौत निकट आना)- शायद रामू की दादी की अंतिम घड़ी आ गई है । वह पंद्रह दिन से बिस्तर पर पड़ी है ।
- अंधे के हाथ बटेर लगना (अनाड़ी आदमी को सफलता प्राप्त होना)- रामू मात्र आठवीं पास है, फिर भी उसकी सरकारी नौकरी लग गई । इसी को कहते हैं- अंधे के हाथ बटेर लगना ।
- अंधे को दो आँखें मिलना (मनोरथ सिद्ध होना)- एम.ए., बी.एड. करते ही प्रेम की नौकरी लग गई । उसे और क्या चाहिए- अंधे को दो आँखें मिल गई ।
- अक्ल के पीछे लट्ठ लेकर फिरना (हर वक्त मूर्खता का काम करना)- रमेश तो हर वक्त अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरता है- चीनी लेने भेजा था, नमक लेकर आ गया ।
- अक्ल घास चरने जाना (वक्त पर बुद्धि का काम न करना)- अरे मित्र! लगता है, तुम्हारी अक्ल घास चरने गई है तभी तो तुमने सरकारी नौकरी छोड़ दी ।
- अपना सिक्का जमाना (अपनी धाक या प्रभुत्व जमाना)- रामू ने कुछ ही दिनों में अपने मोहल्ले में अपना सिक्का जमा लिया है ।
- अपने दिनों को रोना (अपनी स्वयं की दुर्दशा पर शोक प्रकट करना)- वह तो हर वक्त अपने ही दिनों को रोता रहता है, इसलिए कोई उससे बात नहीं करता ।
- अरमान निकालना (इच्छा पूरी करना)- हो गई न तुम्हारे मन की । निकाल लिया मन के सारे अरमान ।
- आँखे खुलना (सचेत होना)- ठोकर खाने के बाद ही बहुत से लोगों की आँखे खुलती है ।
- आँख का तारा होना (बहुत प्यारा होना)- आज्ञाकारी बच्चा माँ-बाप की आँखों का तारा होता है ।
- आँखे दिखाना (बहुत क्रोध करना)- राम से मैंने सच बातें कह दी, तो वह मुझे आँख दिखाने लगा ।
- आसमान से बातें करना (बहुत ऊँचा होना)- आजकल ऐसी ऐसी इमारते बनने लगी है, जो आसमान से बातें करती है ।
- आँच न आने देना (जरा भी कष्ट या दोष न आने देना)- तुम निश्चिंत रहो । तुमपर आँच न आने दूँगा ।

- आसन डोलना (लुब्ध या विचलित होना)- धन के आगे ईमान का भी आसन डोल जाया करता है ।
- आँतें कुलबुलाना (बहुत भूख लगना)- मैंने सुबह से कुछ नहीं खाया, मेरी आँतें कुलबुला रही हैं ।
- आँतों में बल पडना (पेट में दर्द होना)- रात की पूडियाँ खाकर मेरी आँतों में बल पड गए ।
- आँधी के आम होना (बहुत सस्ता होना)- आजकल तो आलू आँधी के आम हो रहे हैं, जितने चाहो, ले लो ।
- आँसू पीना या पीकर रहना (दुःख या कष्ट में भी शांत रहना)- जब राकेश कक्षा में फेल हो गया तो वह आँसू पीकर रह गया ।
- आकाश का फूल होना (अप्राप्य वस्तु)- आजकल दिल्ली में घर खरीदना तो आकाश का फूल हो रहा है ।
- आकाश के तारे तोड लाना (असंभव कार्य करना)- श्याम हमेशा आकाश के तारे तोडने की बात करता रहता है ।
- आग लगने पर कुआँ खोदना (विपत्ति आने पर ऐन मौके पर प्रयास करना)- मित्र, पहले से कुछ प्रयास करो । आग लगने पर कुआँ खोदना ठीक नहीं ।
- आग लगाकर तमाशा देखना (दूसरों में झगडा कराके अलग हो जाना)- वह तो आग लगाकर तमाशा देखने वाला है, वह तुम्हारी क्या मदद करेगा ।
- आटे-दाल का भाव मालूम होना (दुनियादारी का ज्ञान होना या कटु परिस्थिति का अनुभव होना)- जब पिता की मृत्यु हो गई तो राकेश को आटे-दाल का भाव मालूम हो गया ।
- आडे हाथों लेना (झिडकना, बुरा-भला कहना)- शुभम ने जब होमवर्क (गृह-कार्य) नहीं किया तो अध्यापक ने कक्षा में उसे आडे हाथों लिया ।
- आसमान पर उडना (थोडा पैसा पाकर इतराना)- उसकी 10 हजार की लॉटरी क्या खुल गई, वह तो आसमान पर उड रहा है ।
- आसमान पर चढना (बहुत अभिमान करना)- आजकल मदन का मिजाज आसमान पर चढा हुआ दिखाई देता है ।
- आसमान पर थूकना (किसी महान व्यक्ति को बुरा-भला कहना)- नेताजी सुभाषचंद्र बोस एक महान देशभक्त थे उनके बारे मे कुछ कहना आसमान पर थूकने जैसा है ।
- इज्जत मिट्टी में मिलाना (प्रतिष्ठा या सम्मान नष्ट करना) - रामू की शराब की आदत ने उसके परिवार की इज्जत मिट्टी में मिला दी है ।
- इंतकाल होना (मर जाना)- पिता के इंतकाल के बाद सारे घर की जिम्मेदारी अब फारुख के कंधों पर ही है ।
- इशारे पर नाचना (वश में हो जाना)- जो व्यक्ति अपनी पत्नी के इशारे पर नाचता है वह अपने माँ-बाप की कहाँ सुनेगा ।

- ईंट से ईंट बजाना (युद्धात्मक विनाश लाना)- शुरू में तो हिटलर ने यूरोप में ईंट-से-ईंट बजा छोडी, मगर बाद में खुद उसकी ईंटे बजने लगी ।
- ईंट का जवाब पत्थर से देना (जबरदस्त बदला लेना)- भारत अपने दुश्मनों को ईंट का जवाब पत्थर से देगा ।
- ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना)- तुम तो कभी दिखाई ही नहीं देते, तुम्हे देखने को तरस गया, ऐसा लगता है कि तुम ईद के चाँद हो गए हो ।
- उडती चिडिया को पहचानना (मन की या रहस्य की बात तुरंत जानना)- कोई मुझे धोखा नही दे सकता । मैं उडती चिडिया पहचान लेता हूँ ।
- उल्टी गंगा बहाना (अनहोनी या लीक से हटकर बात करना)- अमित हमेशा उल्टी गंगा बहाता है - कह रहा था कि वह हाथों के बल चलकर स्कूल जाएगा ।
- उल्लू सीधा करना (अपना स्वार्थ सिद्ध करना)- मुझे ज्ञात है, तुम यहाँ अपना उल्लू सीधा करने आए हो ।
- ऊँच-नीच समझाना (भलाई-बुराई के बारे में बताना)- माँ ने पुत्री ममता को ऊँच-नीच समझाकर ही पिकनिक पर जाने दिया ।
- ऊँट के मुँह में जीरा (अधिक आवश्यकता वालो के लिए थोडा सामान)- पेटू रामदीन के लिए दो रोटी तो ऊँट के मुँह में जीरा है ।
- ऊल-जलूल बकना (अंट-शंट बोलना)- वह तो यूँ ही ऊल-जलूल बकता रहता है, उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं देता ।
- ऊसर में बीज बोना या डालना (व्यर्थ कार्य करना)- मैंने कौशिक से कहा कि अपने घर में दुकान खोलना तो ऊसर में बीज डालना है, कोई और स्थान देखो ।
- एक आँख से सबको देखना (सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना)- अध्यापक विद्यालय में सब बच्चों को एक आँख से देखते है ।
- एक लाठी से सबको हाँकना (उचित-अनुचित का बिना विचार किये एक समान व्यवहार)- समानता का अर्थ एक लाठी से सबको हाँकना नहीं है, बल्कि सबको समान अवसर और जीवन-मूल्य देना है ।
- एडी-चोटी का पसीना एक करना (खूब परिश्रम करना)- दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए सीमा ने एडी-चोटी का पसीना एक कर दिया ।
- एक और एक ग्यारह होना (आपस में संगठित होकर शक्तिशाली होना)- राजू और रामू पुनः मित्रता करके एक और एक ग्यारह हो गए है ।
- एक से इक्कीस होना (उन्नति करना)- सेठ जी की दुकान चल पडी है, अब तो शीघ्र ही एक से इक्कीस हो जाएँगे ।
- एक ही नाव में सवार होना (एक जैसी परिस्थिति में होना)- देखते है आतंकवादी क्या करते है - इस होटल में हम सब एक ही नाव में सवार है । अब जो होगा, सबके साथ होगा ।

- ऐसी की तैसी करना (अपमान करना/होना)- वह गया तो था मदन को धमकाने पर उल्टे ऐसी की तैसी करा के लौट आया ।
- ओखली में सिर देना (जान-बूझकर परेशानी में फँसना)- कल बदमाशों से उलझकर केशव ने ओखली में सिर दे दिया ।
- ओर छोर न मिलना (रहस्य का पता न चलना)- रोहन विचित्र आदमी है, उसकी योजनाओं का कुछ ओर-छोर नहीं मिलता ।
- औंधे मुँह गिरना (बुरी तरह धोखा खाना)- साझेदारी में काम करके रामू औंधे मुँह गिरा है ।
- कागजी घोडे दौडाना (केवल लिखा-पढी करना, पर कुछ काम की बात न होना)- आजकल सरकारी दफ्तर में सिर्फ कागजी घोडे दौडते है, होता कुछ भी नही ।
- कलेजे पर साँप लोटना (ईर्ष्या होना/जलन होना)- अपने दोस्त की दुकान मे इतने ग्राहक आते देखकर महेन्द्र के कलेजे पर साँप लोटता है ।
- कमर टूटना (बेसहारा होना)- जवान बेटे के मर जाने पर बाप की कमर ही टूट गयी ।
- किताब का कीडा होना (पढाई के अलावा कुछ न करना)- विद्यार्थी को केवल किताब का कीडा नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ शरीर और उन्नत मस्तिष्कवाला होनहार युवक होना है ।
- काँटा निकलना (बाधा दूर होना)- उस बेईमान से पल्ला छूटा । चलो, काँटा निकला ।
- कटकर रह जाना (बहुत लज्जित होना)- जब मैंने राजू से सबके सामने उधार के पैसे माँगे तो वह कटकर रह गया ।
- कडवा घूँट पीना (चुपचाप अपमान सहना)- पडोसी की जली-कटी बातें सुनकर रामलाल कडवा घूँट पीकर रह गया ।
- कफन सिर से बाँधना (लडने-मरने के लिए तैयार होना)- हमारे सैनिक सिर से कफन बाँधकर ही देश की रक्षा करते है ।
- कबाब में हड्डी होना (सुख-शांति में बाधा होना)- देखो मित्र, तुम दोनों बात करो, मैं यहाँ बैठकर कबाब में हड्डी नहीं बनूँगा ।
- कब्र में पाँव लटकना (मौत के निकट होना)- सक्सेना जी के तो कब्र में पाँव लटक रहे है, अब वे लम्बी यात्रा नहीं कर सकते ।
- कमर सीधी करना (आराम करना, लेटना)- मैं अभी चलता हूँ, जरा कमर सीधी कर लूँ ।
- कमान से तीर निकलना या छूटना (मुँह से बात निकलना)- मित्र, कमान से तीर निकल गया है, अब मैं बात से पीछे नहीं हटूँगा ।
- कान में रुई डालकर बैठना (बेखबर या लापरवाह होना, किसी की बात न सुनना)- अरे रामू! कान में रुई डाल कर बैठे हो क्या ? मैं कब से आवाज लगा रहा हूँ ।
- कानोंकान खबर न होना (चुपके-चुपके कार्य करना)- प्रधानाध्यापक ने सभी अध्यापकों से कहा कि परीक्षा-प्रश्नपत्र आ गए है, किसी को इसकी कानोंकान खबर न हो ।

- कालिख पोतना (कलंकित करना)- श्रीम ने चोरी करके अपने परिवार पर कालिख पोत दी है ।
- किसी के कंधे से बंदूक चलाना (किसी पर निर्भर होकर कार्य करना)- अरे मित्र! किसी के कंधे से बंदूक क्यों चलाते हो, आत्मनिर्भर बनो ।
- किसी के आगे दुम हिलाना (खुशामद करना)- रामू मेरा मित्र है, वह मुझ पर मरता है और वह मुझ पर जान छिडकता है ।
- कोढ में खाज होना (संकट पर संकट होना)- रामू को तो कोढ में खाज हो गई है- पहले वह फेल हो गया, फिर बीमार पड गया ।
- कौडियों के मोल बिकना (बहुत सस्ता बिकना)- आजकल मकान कौडियों के मोल बिक रहे है ।
- कंचन बरसना (लाभ ही लाभ होना)- सेठजी पर लक्ष्मी की असीम कृपा है, चारों ओर कंचन बरस रहा है ।
- कन्नी काटना (आँख बचाकर भाग जाना)- मेरा कर्ज न लौटाना पडे इसलिए वह आजकल मुझसे कन्नी काटता फिरता है ।
- कच्चा चिट्ठा खोलना (गुप्त बातों का उद्घाटन करना)- यदि तुमने मेरी बात न मानी तो सारी दुनिया के सामने तुम्हारा कच्चा चिट्ठा खोल दूँगा ।
- किस्मत का धनी (भाग्यशाली)- मेरा दोस्त सचमुच में किस्मत का धनी है, पहले ही प्रयास में उसे नौकरी मिल गई ।
- खाक छानना (भटकना)- नौकरी की खोज में वह खाक छानता फिर रहा है ।
- खून-पसीना एक करना (अधिक परिश्रम करना)- खून पसीना एक करके विद्यार्थी अपने जीवन में सफल होते है ।
- खेत रहना या आना (वीरगति पाना)- पानीपत की तीसरी लडाई में इतने मराठे आये कि मराठा-भूमि जवानों से खाली हो गयी । यह तो खेत रहना जैसे हो गया ।
- खार खाना (ईर्ष्या करना)- वह तो मुझसे खार खाए बैठा है, वह मेरा काम नहीं करेगा ।
- खिचडी पकाना (गुप्त बात या कोई षड्यंत्र करना)- छात्रों को खिचडी पकाते देख अध्यापक ने उन्हें डाँट दिया ।
- खूँटा गाडना (रहने का स्थान निर्धारित करना)- उसने तो यहीं पर खूँटा गाड लिया है, लगता है जीवन भर यहीं रहेगा ।
- गले का हार होना (बहुत प्यारा)- लक्ष्मण राम के गले का हार था ।
- गडे मुर्दे उखाडना (दबी हुई बात फिर से उभारना)- जो हुआ सो हुआ, अब गडे मुर्दे उखाडने से क्या लाभ है ?
- गागर में सागर भरना (कम शब्दो मे बहुत अर्थ होना)- गीता मे एक-एक श्लोक गागर मे सागर जैसा है ।

- गिरगिट की तरह रंग बदलना (बातें बदलना)- गिरगिट की तरह रंग बदलने से तुम्हारी कोई इज्जत नहीं करेगा ।
- गुड गोबर करना (बना बनाया काम बिगाड़ना)- वीरू ने जरा-सा बोलकर सब गुड-गोबर एक कर दिया ।
- गंगा नहाना (अपना कर्त्तव्य पूरा करके निश्चिन्त होना)- रमेश अपनी बेटी की शादी करके मानो गंगा नहा लिए ।
- गधे को बाप बनाना (काम निकालने के लिए मूर्ख की खुशामद करना)- रामू गधे को बाप बनाना अच्छी तरह जानता है ।
- घाव पर नमक छिड़कना (दुःख में दुःख देना)- राम वैसे ही दुखी है, तुम उसे परेशान करके घाव पर नमक छिड़क रहे हो ।
- घोड़े बेचकर सोना (बेफिक्र होना)- बेटी तो ब्याह दी । अब मैं घोड़े बेचकर सोता हूँ ।
- घड़ो पानी पड़ जाना (अत्यन्त लज्जित होना)- पुलिस को जब यह पता लगा कि चोरी मे उसका छोटा भाई भी है तो उस पर घड़ो पानी पड़ गया ।
- घी के दीए जलाना (अप्रत्याशित लाभ पर प्रसन्नता)- रामजी को अयोध्या लौटने पर हर घर मे घी के दीए जलाए गए थे ।
- घाट-घाट का पानी पीना (हर प्रकार का अनुभव होना)- मुन्ना घाट-घाट का पानी पिए हुए है, उसे कौन धोखा दे सकता है ।
- चार चाँद लगाना (चौगुनी शोभा देना)- निबन्धों में मुहावरों का प्रयोग करने से चार चाँद लग जाता है ।
- चिकना घड़ा होना (बेशर्म होना)- तुम ऐसा चिकना घड़ा हो कि तुम्हारे ऊपर कहने सुनने का कोई असर नहीं पड़ता ।
- चिराग तले अँधेरा होना (निकट के दोष को न देखना)- पण्डितजी स्वयं तो बड़े विद्वान है, किन्तु उनके लड़के को चिराग तले अँधेरा ही जानो ।
- चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात होना (थोड़े दिन का सुख)- राजा बलि का सारा बल भी जब चार दिन की चाँदनी ही रहा, तो तुम किस खेत की मूली हो ?
- चींटी के पर लगना या जमना (विनाश के लक्षण प्रकट होना)- इसे चींटी के पर लगना ही कहेंगे कि अवतारी राम से रावण बुरी तरह पेश आया ।
- छक्के छूटना (बुरी तरह पराजित होना)- भारत और पाकिस्तान के युद्ध मे हर बार पाकिस्तान के छक्के छूटे है ।
- छाप पड़ना (प्रभाव पड़ना)- प्रोफेसर शर्मा का व्यक्तित्व ही ऐसा है । उनकी छाप सब पर जरूर पड़ती है ।
- जमीन आसमान एक करना (बहुत प्रयास करना)- मैं शहर में अच्छा मकान लेने के लिए जमीन आसमान एक कर रहा हूँ परन्तु सफलता नहीं मिल रही है ।
- जान पर खेलना (साहसिक कार्य)- हम जान पर खेलकर भी अपने देश की रक्षा करेंगे ।

English

Articles & Determiners

An article is word used before a noun. 'A', 'An' and 'The' are known as articles.

Types

1. Definite Article – The
2. Indefinite Article – A, An

Uses of definite article 'The'

* It is used when noun is certain or known already.

Ex:

(i) The house in which I live is new.
(ii) The people of India are generous.

* **Before the name of 'A series of Mountains'**
  The Himalayas, The Alps, The Vindhyas, The Eastern Ghats, The Westerns Ghats etc.
  Before the home of 'Rivers, Oceans, Sea'
  The Ganga, The Narmada, The Pacific Oceans, The Indian Oceans, The real sea, The Mediterranean Sea etc.

* **Before the name of "Bay, Gulfs, groups of islands, canals"**
  The Bay of Bengal, The Bay of China, The Gulf of Mexico, The Gulf of Guyana, The Albert Canal etc.

* **Before the name of "Airplanes, ships, Trains**
  The Air India, The Indigo, The Victoria, The vile rant, The Punjabi mail etc.

* **Before the name of "Nationality expressing words"**
  The Indians, the Americans, the Japanese etc.

* **Before the name of 'Direction, Religious book and Community**
  The East, The West, The Gita, The Ramayana, The Hindus, The Muslims.

* **Before the name of "Government branches or Armed forces"**
  The Judiciary, The Legislative, The Air force, The Navy etc.

* **Before the name of "Unique Things"**
  The Sun, The Moon, The Earth.

* **Before the name of "Historical empires, castes, places, dynasties, buildings, events, period, Age.**
  The Mughal empire, The Aryans, The Gandhi maidan, The Chola dynasty, The Taj Mahal, The Battle of panipat, The new stone age.

* **Before the name of "Musical Instruments".**
  The Tabla, The Guitar, The Harmonium etc.

* **Before the name of "Newspaper"**
  The times of India, The India nation.

  'The + Adjective' is used as plural noun to denote a class of people.
  The rich, The poor, The sick, The deaf etc.

* **Before the names of 'parts of body'**
  I caught him by an arm. [The (✓)]
  He was wounded in the leg. (✓)

  When a proper noun is compared to other proper noun of same class.
  Mumbai is the London of India.

  Abdul Kalam is the Newton of India.

* **Before superlative Degree**
  Ex. (1) The tallest man.
  (2) The happiest man.

Omission of 'The'

* **Before the name of 'Language'**

  Ex:

  (i) The English is spoken in England. (x)
  English is spoken in England. (✓)

  (ii) Do you know the English language? (x)
  (iii)Translate the English into the Hindi. (✓)

* **Before 'Material and abstracts noun**

  Gold is a precious matter. (✓)
  That statue is made up of Iron. (x)

* **Before the names of "games"**

  He plays the cricket. (x)
  But
  The cricket of India is amazing. (✓)

Uses of Indefinite Article – A/An: (It is used when noun is not certain.)

Ex:

(i) She has an Umbrella.
(ii) I met a boy.
(iii) They saw an old man.

Usage of 'A'

A – (Consonant sound)

Ex. (1) Kapil is a smart student.
(2) I met a girl.

* A/An not used with uncountable nouns.

  Ex: His friend gives him a very bad news. (Uncountable noun)

* 'A' is used with a singular countable common noun when the noun denotes a complete class of things / persons / animals etc.

  Ex:

  A cow has four legs.

In the above sentence "A" has been used before 'cow'. Because we are talking about a complete class of cows.

* "A" is used before the name of profession –
  (i) Sita is a nurse.
  (ii) Ram is a teacher.

* "A" is used with certain number – A hundred, a million, A dozen.
* If 'such / quite / rather / many / now' are placed before noun 'a' is used before that noun.
  Ex:
  (i) Many a woman would welcome such a chance.
  (ii) It was quite a brilliant story.
  (iii)It was quiet an impossible task.
  (Vowel)
* A / An used in expression of price, speed, ratio etc.
  (i) She can ran twelve kilometers an hours.
  (ii) Ten rupees a kilo/ Ten rupees per kilo.
  (iii)Forty words per minute / Forty words a minute.

* 'A' is used in exclamations
  (i) What a dog!
  (ii) What a great match it was!

* We use 'A' before an adjective, when the adjective is followed by singular noun.
  (i) Lata is a good singer.
  Adj. Noun (s)
  (ii) Rita is a graceful dancer.

Usage of 'AN'

'AN' – (Vowel Sound)
(i) He is an astronaut.
(ii) Kapil is an intelligent student.

* We use 'An' before some abbreviations which starts with H, L, M, N, F, R, S, X etc.

  Ex:

  (i) He is an M.L.A.

  (ii) He is an S.D.O.

* An honest man (Not a honest man)

  An hour ago (✓)

  A union (✓)

  A European (✓)

  A University (✓)

  A one eyed man (✓)

Determiners

Determiners are words placed in front of noun to make it clear what the noun refers to.

1. **Use OF Few, Little, Much And Many**:

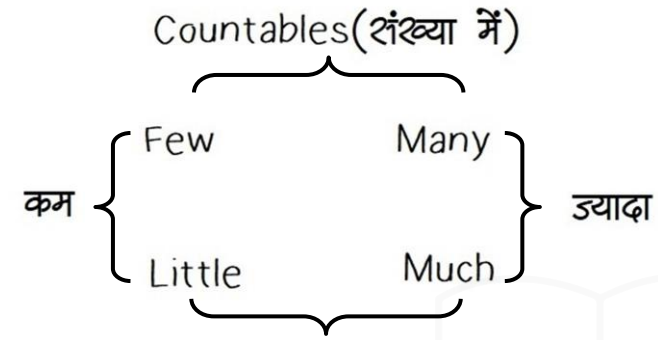

Few → ...out some)
→ ...many, none)
→ The few (Not many but all that is)

Little → A little (Not much but some)
→ Little (Not much, none)
→ The little (Not much but all there is)

2. **Use of "Some" and "Any"**:
   * There is a difference between uses of some/any.
   * Some is used before uncountable noun in affirmative sentences to show the quantity and any is used before plural countable noun to show the number.

Ex. (1) I have some water. (some → U.N.)

(2) I have some friends. (some friends → P.C.N.)

* Some is used in +ve sentences.
* Any is used in negative and question sense.

Ex. Do you have any problem?

* When we expect 'yes' in answer then we use 'some' in questions also.

Ex. Do you have some food?

EXERCISE

1. My students have decided not to / watch the movies because / they have to study for the / test to be held the next day.

Ans. Be held next day (remove the).

2. Knowledge of regional language is / necessary for bank officers because / they are required / what their customer say.

Ans. The knowledge of regional.

3. French revolution / had a deep impact / on the political and / social ideas of many nations.

Ans. The French revolution.

4. As the present guidelines / the bank required to obtain / a photograph from any person / who wishes to open an account.

Ans. From the person.

5. The sole idea behind / conducting such programs / is to create awareness / among young minds for our culture.

Ans. Create an awareness.

6. When the building was set on the fire / all the furniture started burning / and people started / crying at the top of their voices.

Ans. Set on fire.

7. Money which is a / source of the happiness in life / becomes a source of peril and / confusion unless we control it.

Ans. Source of happiness.

8. He has been sent to the prison / several times but / has not shown any sign / of improvement in his conduct.

Ans. Sent to prison.

9. Having finished his breakfast / he started working / on the problem / that had been awaiting disposal for the long time.

Ans. For a long time.